क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 325, मंगलवार, 25 दिसम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

न्यूज

तेलंगाना में पत्थर खदान के गढ्ढे में तीन छात्र डूबे

नई दिल्ली , (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के बाहरी इलाके कोथवालगुडा में एक पत्थर खदान के गढ्ढे में रविवार को इंजिनियरिंग के तीन छात्र डूब गये। पुलिस ने यहां बताया कि अबतक दो शव बरामद किये जा चुके हैं जबकि तीसरे की तलाश जारी है। शहर के ये सभी छात्र दो अन्य दोस्तों के साथ खदान के पानी में तैरने के लिए उतरे थे। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक छात्र गहरे पानी में फंस गये और उसी में डूब गए।

कोविंद ने की 'एट होम पार्टी'की मेजबानी

हैदराबाद , (वार्ता)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार की शाम सिकंदराबाद के बोलारम स्थित राष्ट्रपति निलयम के खुले लॉन में 'एट होम पार्टी' की मेजबानी की। इस सलाना पार्टी के मौके पर उपराष्ट्रपति एम वैंकैया नायडू, तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश के राज्यपाल ईएसएल नरसिम्हन , तेलंगाना के गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली, विधान परिषद के सभापति स्वामी गौड, सांसद बंडारू दत्तात्रेय और के केशव राव और कई विधायक एवं पूर्व मंत्री के अलावा मुख्य सचिव एस के जोशी भी मौजूद थे। इस पार्टी में टेनिस स्टार सानिया मिर्जा के अलावा समाज के विभिन्न हिस्सों से जुड़े लोग भी मौजूद थे। ऐसी परंपरा है कि राष्ट्रपति के दक्षिणी प्रवास के दौरान शहर में उनकी मौजूदगी पर 'एट होम' पार्टी का आयोजन किया जाता है जिसके मेजबानी खुद राष्ट्रपति करते हैं ।

गुब्बारों में हवा भरते वक्त फटा सिलिंडर, दो गंभीर

वाराणसी , (एजेंसी)। वाराणसी में रविवार की सुबह सिलिंडर फटने की वजह से एक मकान में रहने वाले दो बच्चियों समेत सात लोग घायल हो गए। बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती दो घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह विस्फोट जैतपुरा के नक्खीघाट इलाके में रहने वाले सिराजुद्दीन नाम के शख्स के मकान में हुआ। तेज धमाके के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने देखा कि कई लोग खून से लथपथ हालत में तड़प रहे हैं। आनन-फानन में सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस के अधिकारी, एटीएस और फरेंसिक टीम मौके पर पहुंचीं। टीम ने मौके पर जांच-पड़ताल भी की। सीओ चेतगंज अंकिता सिंह ने बताया कि सिराजुद्दीन के मकान में किराए पर रहने वाला झारखंड निवासी कल्लू पंडित गुब्बारों को बेचने के लिए उनमें हवा भर रहा था तभी गैस सिलिंडर फट गया।

केसीसीआई प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला

जम्मू, (एजेंसी)। एक उद्योग प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात के दौरान इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा बलों को आतंकवाद निरोधी अभियानों के दौरान संयम का परिचय देना चाहिए ताकि आम लोग हताहत ना हों। प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय व्यापारियों के लिए जरूरी कदमों के बारे में भी राज्यपाल को बताया। भूमि की अनुपलब्धता, प्रदूषण संबंधी मंजूरी और बिजली की स्वीकृति जैसी जरूरी संस्तुतियों में देरी,लॉजिस्टिक मुद्दों और औद्योगिक क्षेत्र की अन्य समस्याओं के बारे में भी ध्यान आकृष्ट किया गया।

अरुणाचल के चांगलांग में 4.0 तीव्रता का भूकंप

चांगलांग , (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में आज शाम 04:51 बजे 4.0 तीव्रता का भूकंप आया। अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। खबर से जुड़ी अधिक जानकारी जल्द अपडेट की जाएगी। रविवार शाम करीब 4 बजकर 51 मिनट पर अरुणाचल के चांगलांग जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई। अब तक जानकारी के मुताबिक भूकंप की वजह से किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। वहीं भूकंप के झटके आने के बाद लोग डरकर घरों से बाहर निकल आए।

पीएम मोदी कल करेंगे सबसे लंबे रेल-सड़क पुल का उद्घाटन

पूर्व पीएम देवेगौड़ा ने 22 जनवरी, 1997 को पुल की आधारशिला रखी थी

गुवाहाटी ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम में बने भारत के सबसे लंबे रेल-सड़क पुल का शुभारंभ आगामी 25 दिसंबर को करेंगे। ब्रह्मपुत्र नदी पर बोगीबील में बनी 4.94 किलोमीटर लंबी और रणनीतिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण यह परियोजना न केवल आम लोगों के लिए अपितु रक्षा मोर्चे पर भी अहम भूमिका निभाने के लिए तैयार हो गई है। यह बोगीबील पुल, असम समझौते का हिस्सा रहा है और इसे 1997-98 में अनुशंसित किया गया था। यह पुल भारत-चीन सीमा पर रक्षा सेवाओं के लिए भी आड़े वक्त में खास भूमिका निभा सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने 22 जनवरी, 1997 को इस पुल की आधारशिला रखी थी लेकिन इस पर काम 21 अप्रैल, 2002 को तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के समय में शुरू हो सका। पुल के शुभारंभ की तारीख का दिन 25 दिसंबर वाजपेयी की वर्षगांठ का भी दिन है।

प्रॉजेक्ट में देरी के चलते 85 प्रतिशत बढ़ी लागत

परियोजना में अत्यधिक देरी के कारण इसकी लागत में 85 फीसदी की बढ़ोत्तरी हो गई। शुरुआत में इसकी लागत 3230.02 करोड़ रुपये थी, जो बढ़कर 5,960 करोड़ रुपये हो गई। इस बीच पुल की लंबाई भी पहले की निर्धारित 4.31 किलोमीटर से बढ़ाकर 4.94 किलोमीटर कर दी गई। परियोजना के रणनीतिक महत्व को देखते हुए केंद्र सरकार ने इस पुल के निर्माण को 2007 में राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया था। इस कदम के बाद से धन की उपलब्धता बढ़ गई और काम की गति में तेजी आ गई।

देश का सबसे लंबा पुल जिस पर साथ दौड़ेगी ट्रेन और कार

25 दिसंबर को पीएम मोदी ब्रह्मपुत्र नदी पर बने देश के सबसे लंबे रेल कम रोड ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। इस पुल की वजह से अरुणाचल प्रदेश और चीन की सीमा से सटे अन्य प्रदेशों से आवागमन आसान हो जाएगा। इस पुल की आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने रखी थी। हालांकि इसका निर्माण कार्य 2002 में अटल सरकार में शुरू किया गया। इस पुल को चीन के साथ लगती सीमा पर रक्षा साजो-सामान के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन माना जा रहा है। इस पुल की लंबाई 4.94 किलोमीटर है। यह पुल असम के डिब्रूगढ़ को ढेमाजी से जोड़ेगा। एशिया के इस दूसरे सबसे बड़े पुल में सबसे ऊपर एक तीन लेन की सड़क है और उसके नीचे दोहरी रेल लाइन है। यह पुल ब्रह्मपुत्र के जलस्तर से 32 मीटर की ऊंचाई पर है। इसे स्वीडन और डेनमार्क को जोड़ने वाले पुल की तर्ज पर बनाया गया है।

कांग्रेस-भाजपा के विरुद्ध क्षेत्रीय पार्टियां एकजुट हों : केसीआर

भुवनेश्वर ■ एजेंसी

देश में राजनीतिक बदलाव की जरूरत पर दिया जोर कहा,अभी बातचीत शुरू की है

तेलंगाना राष्ट्र समिति के प्रमुख एवं तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस का सामना करने के लिए क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के बीच एकीकरण की सख्त जरूरत है।

श्री राव राज्य के दो दिवसीय यात्रा पर रविवार को यहां पहुंचे तथा ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के साथ मौजूदा राजनीतिक स्थिति, पोलावरम मुद्दे तथा श्री पटनायक की ओर से संसद तथा विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण जैसे मसलों पर विचार-विमर्श किया। श्री राव ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने कांग्रेस और भाजपा के विकल्प को लेकर चर्चा की। उन्होंने टिप्पणी की कि देश की राजनीतिक प्रणाली में गुणात्मक परिवर्तन की आवश्यकता है।

उन्होंने देश में राजनीतिक बदलाव की जरूरत पर बल देते हुए कहा,''हमने अभी बातचीत शुरू की है और सभी प्रयास कर रहे हैं, लेकिन कुछ भी ठोस नहीं हुआ है। हम फिर से मिलेंगे। श्री राव कल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मिलने के लिए कल कोलकाता जाएंगे। दोनों नेताओं के बीच देश में भाजपा और कांग्रेस विरोधी मोर्चे के लिए क्षेत्रीय दलों के बीच एकता को लेकर विचार-विमर्श होने की संभावना है। बैठक के बाद श्री पटनायक ने मीडिया से कहा कि सभी समान विचारधारा वाले राजनीतिक दलों को साथ आने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हमने राष्ट्रीय हित पर चर्चा की कि क्षेत्रीय दलों के बीच एकता कैसे मजबूत होगी। श्री पटनायक ने कहा कि उन्होंने विधानसभा चुनाव और अपनी कृषि नीति में जबरदस्त जीत के लिए श्री राव को बधाई दी। हमने पोलावरम मुद्दे और इसे आगे बढ़ाने के तरीके पर भी चर्चा की। इस बारे में पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने संघीय मोर्चा के गठन के बारे में चर्चा की तो श्री पटनायक ने कहा, ''हमने इसके बारे में नहीं सोचा है।

इस बीच, तेलंगाना के कांग्रेस प्रभारी और वरिष्ठ नेता राम चंद्र खुंटिया ने रविवार को आरोप लगाया कि श्री केसीआर भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार की बी टीम की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि श्री राव और श्री पटनायक दोनों भाजपा के साथ गठबंधन में थे और भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार को लेने के लिए क्षेत्रीय दलों के बीच एकता को कमजोर करने की कोशिश कर रहे थे। श्री राव अपने परिवार के साथ कल श्री जगन्नाथ मंदिर में दर्शन के लिए जाएंगे और कोलकाता के लिए रवाना होने से पहले कोणार्क में विश्व धरोहर स्मारक सूर्य मंदिर भी जाएंगे।

प्रतिष्ठा की जंग बने जसदण विस उपचुनाव में बीजेपी जीती

भाजपा प्रत्याशी और मंत्री बावलिया ने कांग्रेस को 19,979 वोटों से दी शिकस्त

अहमदाबाद ■ एजेंसी

गुजरात में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जसदण विधानसभा उपचुनाव में रविवार को आसान जीत दर्ज कर ली. इसी के साथ सदन में भाजपा का संख्या बल 100 पर पहुंच गया है। भाजपा प्रत्याशी और मंत्री कुंवरजी बावलिया ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के अवसर नाकिया को 19,979 वोटों से शिकस्त दी।

बावलिया राजकोट जिले की जसदण विधानसभा सीट को न केवल अपने पास रखने में कामयाब रहे, बल्कि अपनी जीत का अंतर भी बढ़ाया है। उन्होंने 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के तौर यहां से जीत हासिल की थी। इसी के साथ, 182 सदस्यवाली विधानसभा में भाजपा के 100 विधायक हो गये हैं, जबकि कांग्रेस के विधायकों की संख्या घट कर 76 हो गई। राज्य में दो दशक से शासन कर रही भाजपा ने 2017 के विधानसभा चुनाव में भगवा दल ने 99 सीटें जीतीं थीं और कांग्रेस के खाते में 77 सीटें आयी थीं। मतगणना के आखिर में बावलिया को कुल 90,262 वोट मिले, जबकि नाकिया 70,283 मत हासिल कर पाए। उनके अलावा, चुनावी रण में छह अन्य प्रत्याशी थे। उन्होंने बताया कि 2,146 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया। जसदण विधानसभा सीट पर उपचुनाव के तहत 20 दिसंबर को वोट डाले गये थे और मतदान 71.27 प्रतिशत रहा था। भाजपा हाल में जहां तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मिली हार से उबरने की कोशिश कर रही है, वहीं कांग्रेस इन तीन राज्यों में मिली जीत से गदगद है. बावलिया ने दो जुलाई को इस्तीफा दिया था और उन्हें उसी दिन भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री बना दिया गया था. बावलिया ने 2017 में भाजपा के उम्मीदवार को 9,277 मतों से मात दी थी।

कांग्रेस के नमन बिक्सल कोंगाडी जीते, बीजेपी को 9,658 वोटों से हराया

कोलेबिरा। झारखंड की कोलेबिरा विधानसभा उपचुनाव 2018) में कांग्रेस ने बाजी मार ली है। 20वें राउंड के बाद कांग्रेस के नमन बिक्सल कोंगाडी ने अपनी जीत दर्ज की। कांग्रेस ने बीजेपी को 9658 वोटों से हराया। मतगणना में कांग्रेस को 403432, भाजपा को 306853, सैंगेल को 237994, झापा को 164455, निर्दलीय बसंत को 3948 वोट मिले। झारखंड में मतगणना सिमडेगा कॉलेज में सम्पन्न हुई। झारखंड की चौथी विधानसभा में यह सातवां उपचुनाव हो रहा है। हत्या के एक मामले में झारखंड पार्टी के विधायक एनोस एक्का को सजा सुनाए जाने के बाद खाली हुई कोलेबिरा विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराया गया।

नसीर ने इमरान से कहा-पहले अपना देश संभालो

अपने बयान पर टिप्पणी करने से भड़के, कहा हम कर लेंगे अपनी देखभाल

मुंबई ■ एजेंसी

कुछ दिनों पहले बुलंदशहर में गोहत्या की अफवाह पर भड़की हिंसा को लेकर ऐक्टर नसीरुद्दीन शाह ने एक टिप्पणी की थी, जिस पर बवाल मच गया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान भी इसमें कूद गए और उन्होंने शाह वाले मामले को जिन्ना से जोड़कर ऐसा बयान दे दिया कि नसीरुद्दीन शाह भड़क गए। इमरान खान ने कहा था कि वह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सिखाएंगे कि अल्पसंख्यकों के साथ कैसे बर्ताव किया जाता है।

इमरान खान का यूं बीच में कूदना नसीरुद्दीन शाह को रास नहीं आया और उन्होंने पलटवार कर पाकिस्तान के वजीर-ए-आजम को करारा जवाब दिया। शाह ने द संडे एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि मुझे लगता है कि मिस्टर खान को सिर्फ उन मुद्दों पर ही बात करनी चाहिए जो उनके देश से संबंधित हैं, न कि उन मुद्दों पर जिनका उनसे वास्ता ही नहीं है। हम पिछले 70 सालों से एक लोकतंत्र हैं और जानते हैं कि हमें अपनी देखभाल कैसे करनी है। पिछले दिनों नसीरुद्दीन ने एक इंटरव्यू में कहा था कि कई इलाकों में हम देख रहे हैं कि एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत से ज्यादा अहमियत गाय की मौत को दी जा रही है। इस इंटरव्यू के विडियो को शाह ने खुद शेयर किया था। इसमें वह कहते दिख रहे हैं कि एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत से ज्यादा एक गाय की मौत को अहमियत दी जा रही है और ऐसे माहौल में मुझे अपने औलादों के बारे में सोचकर फिक्र होती है। वह कहते हैं कि देश के माहौल में काफी जहर फैल चुका है और इस जिन्न को बोतल में डालना मुश्किल दिख रहा है। शाह ने कहा था कि मुझे डर लगता है कि कल को मेरे बच्चे बाहर निकलेंगे तो भीड़ उन्हें घेरकर पूछ सकती हो कि तुम कौन हो? हिंदू या मुसलमान? ऐसे में वह क्या जवाब देंगे। इस स्थिति में सुधार की जरूरत है और जिन्न को बोतल में बंद करना होगा। गौरतलब है कि शाह की इस टिप्पणी के बाद से ही लोग उन्हें घेरने लगे थे। इमरान खान ने भी लाहौर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान नसीरुद्दीन शाह की इस टिप्पणी पर कॉमेंट किया। इस मामले को मोहम्मद अली जिन्ना से जोड़ते हुए उन्होंने अल्पसंख्यकों के नाम पर भारत को घेरने की कोशिश की थी।

नसीरुद्दीन गैर जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं : कल्बे जव्वाद

जौनपुर , (एजेंसी)। शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा कि फिल्म अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और अन्य मुस्लिम अभिनेता गैर जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं। हालांकि कुछ हादसे जरूर हुए हैं लेकिन पूरी दुनिया में जिस तरह से हालात हैं उससे भारत में मुसलमान पूरी तरह सुरक्षित है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने रविवार को नगर के मुफ्ती हाउस इमामबाड़े में स्व. सै. कासिम हुसैन की मजलिसे बरसी में शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि भारत में मुसलमान पूरी तरह सुरक्षित हैं और जिस तरह से कहा कि इस्लामिक देश इजराइल, सीरिया, फिलिस्तीन, पाकिस्तान और अन्य देशों में मुसलमानों का कत्ले आम किया जा रहा है उससे तो बहुत बेहतर जिंदगी भारत के मुसलमान जी रहे हैं और वे यहां पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि भारत हमारा मुल्क है और हम सब यहां आजादी के साथ रह रहे हैं। यह हमारे के लिए फक्र की बात है। आगामी 2019 के लोकसभा चुनाव के बारे में उन्होंने कहा कि शिया कौम उसको वोट करेगी जो उनकी कौम को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। उन्होंने जमकर हमला करते हुए कहा कि इनकी हुकूमतों के दौरान हमें फायदा तो पहुंचाया नहीं बल्कि नुकसान तो बहुल ज्यादा पहुंचाया गया। इसकी तुलना में भाजपा सरकार में हमें यदि फायदा नहीं पहुंचा तो नुकसान भी नहीं पहुंचा। राहुल गांधी और नरेंद्र मोदी में से कौन बेहतर प्रधानमंत्री हो सकता है के सवाल पर उन्होंने कहा कि जो हमारे समाज के उत्थान के लिए काम करेगा वहीं हमारे देश का बेहतर प्रधानमंत्री होगा।

नसीर के बयान से विघटनकारी ताकतों मिलता है बल: उमा

टीकमगढ़, (एजेंसी)। केंद्रीय पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री उमा भारती ने बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के बयान की तीखी आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि उन्हें इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए, इससे देश का विघटनकारी ताकतों को बल मिलता है। सुश्री भारती अपने दो दिवसीय प्रवास पर रविवार को अपने गृह नगर टीकमगढ़ पहुंची। यहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि देश में सन 1947 जैसे हालात बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी विभाजन की बात करेगा, भारत की जनता उसको मुंहतोड़ जवाब देगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा तीन राज्यों में आए हार के परिणाम पर दिए गए बयान भाजपा एक आदमी की पार्टी नहीं है, बल्कि सभी की पार्टी है , के सवाल के जवाब में सुश्री भारती ने कहा कि वे गडकरी की बात से सहमत हैं। मीडिया से चर्चा के बाद उमा भारती ने जिले के भाजपा विधायकों और कार्यकर्ताओं की बैठक ली। सुश्री भारती ने प्रदेश में बहुमत नहीं मिलने पर कार्यकर्ताओं से चर्चा की।

हिमाचल में भाजपा सरकार के एक साल पूरा होने पर 'निकम्मा दिवस' मनाएगी कांग्रेस

शिमला, (एजेंसी)। विपक्षी कांग्रेस पार्टी, राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के 27 दिसम्बर को एक साल पूरा होने के अवसर पर, इस दिन को 'निकम्मा दिवस' के रूप में मनायेगी।

पार्टी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) सरकार ने इस अवसर पर राज्य की दूसरी राजधानी धर्मशाला में एक कार्यक्रम का आयोजन किया है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे। ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में 27 दिसम्बर, 2017 को, अन्य 11 मंत्रियों के साथ शपथ ली थी।

कांग्रेस विधायक और हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुखविंदर सिंह सुक्खू ने ठाकुर के खिलाफ एक आरोपपत्र भी तैयार किया है जिसे राज्यपाल आचार्य देवव्रत को दिया जायेगा। कमेटी की एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। सुक्खु ने कहा कि भाजपा सरकार के गठन की वर्षगांठ को 'निकम्मी सरकार का निकम्मा दिवस' के रूप में मनाया जायेगा क्योंकि इस सरकार ने जमीन पर कुछ ठोस काम नहीं किया है और वह महज घोषणाएं ही कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल को आरोप पत्र देते समय कांग्रेस यह भी मांग करेगी कि जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के ''घोटालों'' और ''असफलता'' को देखते हुये उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि पहाड़ी राज्य खराब शासन, प्रशासनिक मामलों में आरएसएस के हस्तक्षेप और विपक्षियों के खिलाफ राजनीतिक दुर्भावना से उठाये गए कदमों के कारण पंगु हो गया है।

यौन दुराचार के मुजरिम भारतीय की ब्रिटिश नागरिकता छीनी

लंदन ■ एजेंसी

अपने परिवार के अंदर ही एक लड़के का यौन उत्पीड़न करने के 23 मामलों में दोषी पाये गये एक भारतीय व्यक्ति की ब्रिटिश नागरिकता छीन ली गयी है और उसे अब भारत भेजा जाएगा। कानूनी कारणों से आरएसडी के रूप में चिह्नित यह व्यक्ति 1997 में भारत से ब्रिटेन आया था और उसे 2004 में ब्रिटिश नागरिकता मिली थी।

2011 में उसे सात साल के एक बच्चे से यौन दुराचार करने का दोषी पाया गया। अदालत ने 2003 से 2010 के बीच लड़के साथ यौन दुराचार करने के जुर्म उसे 14 साल की कैद की सजा सुनायी थी और उम्रभर के लिए यौन अपराधी रजिस्टर में डाल दिया। ब्रिटेन के गृह मंत्री ने इस आधार पर उसकी नागरिकता छीन ली है कि जब उसने ब्रिटेन की नागरिकता के लिए आवेदन दिया था तब उसने यह तथ्य छिपा लिया कि वह एक बच्चे का यौन उत्पीड़न कर रहा है। इसे अपने तरह का पहला मामला समझा जाता है। वैसे तो यह व्यक्ति इस फैसले के खिलाफ अपील जीत गया लेकिन एक वरिष्ठ न्यायाधीश ने गृहमंत्री साजिद जाविद के पक्ष में व्यवस्था दी और आरएसडी की नागरिकता छीनने के फैसले को बनाए रखा। इसका मतलब है कि अब उसे भारत प्रत्यर्पित किया जाएगा।

नोबल प्राइज — 2013 में दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में 15वां स्थान दिया गया था

टाइम मैगजीन की रैंकिंग पर मलाला का था ऐसा रिएक्शन

नई दिल्ली/इस्लामाबाद ■ एजेंसी

नोबेल प्राइज विजेता मलाला युसूफजई को वर्ष 2013 में टाइम मैगजीन में दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में 15वां स्थान दिया गया था और वे तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा से भी आगे थीं। मलाला को जब पता चला था कि 2013 में टाइम मैगजीन के मुख पृष्ठ पर 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में वह भी हैं तब उन पर कोई असर नहीं हुआ था और उन्होंने अपने पिता से कहा था, 'मैं इंसानों के वर्गीकरण में विश्वास नहीं करती।' उनके पिता जियाउद्दीन युसूफजई अपनी नई पुस्तक 'लेट हर फ्लाई-ए फादर्स जर्नी एंड फाईट ऑफ इक्वलिटी' में इस रोचक तथ्य की चर्चा करते हैं। मलाला मैगजीन के मुखपृष्ठ पर थीं और उन्हें 15 वां स्थान मिला था।

अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा 51 वें स्थान पर थे। ब्रिटेन में शाहिद हुसैन नामक एक ड्राइवर ने जियाउद्दीन को अपने मोबाइल पर इस पत्रिका की एक कॉपी दिखाई। उन्होंने इसे अपनी बेटी को दिखाया। जियाउद्दीन लिखते हैं, 'जब मलाला पहली बार पूरी तरह अस्पताल में थी, तब उसके इलाज के सिलसिले में मेरी पत्नी तूर पेकाई और मैं आए थे और हमें अस्पताल लाने- ले जाने के लिए किसी की जरुरत थी।

एक दिन हमारे ड्राइवर शाहिद हुसैन, जो अब हमारा दोस्त बन चुका था, दुनिया के सबसे अधिक प्रभावशाली 100 व्यक्तियों की टाईम मैगजीन की सूची की खबर के साथ पहुंचा।' हुसैन ने जियाउद्दीन से कहा, 'मेरा आपसे यह रिपोर्ट उसे दिखाने का अनुरोध है। उन्हें खुशी होगी।' ड्राइवर ने जियाउद्दीन को अपना मोबाइल फोन दिया। जियाउद्दीन ने मोबाइल ले लिया और उसे मलाला को दिखाया।

डब्ल्यू एच एलेन द्वारा प्रकाशित पुस्तक में उन्होंने लिखा है,' स्क्रीन पर जो कुछ था, उसे देख मैं बहुत गौरवान्वित था। उसने मुझसे फोन लिया और उसे पढ़ा। फिर उसने उसे रख दिया। उसने कहा, मैं इंसानों के ऐसे वर्गीकरण में विश्वास नहीं करती। जियाउद्दीन पहले मलाला के लिए और फिर दुनिया की उन सभी लड़कियों के लिए जो पितृ सत्तात्मक समाज में रह रही हैं लगभग 20 सालों तक समानता के लिए लड़ते रहे, । वैसे तो पाकिस्तान में बचपन में उन्हें सिखाया गया था कि वह अपनी बहनों से वंशानुगत से श्रेष्ठ हैं लेकिन उन्होंने छोटी उम्र में ही असमानता के खिलाफ झंडा उठा लिया था। जब उन्हें एक बेटी हई तब उन्होंने ठान लिया कि वह उसे शिक्षा दिलायेंगे, जबकि शिक्षा बस लड़कों को दी जाती थी ।

उन्होंने एक स्कूल खोला जहां वह पढ़ने जा सकती थी। लेकिन 2012 में, अपने पिता के स्कूल में जाने और तालिबान के विरुद्ध खड़े होने पर मलाला को गोली मार दी गयी। जियाउद्दीन लगभग उसे खो ही चुके थे जिसके लिए उन्होंने समानता की लड़ाई छेड़ी थी। 'लेट हर फ्लाई' जियाउद्दीन की पाकिस्तान के पहाड़ों के एक छोटे से गांव के तुतलाते बच्चे लेकर, समानता के लिए संघर्ष करते सामाजिक कार्यकर्ता तथा नोबेल पुरस्कार के सबसे कम उम्र की प्राप्तकर्ता के पिता का सफर है। अब मलाला इस दुनिया की सबसे प्रभावशाली एवं प्रेरक लड़कियों में से एक हैं।

दखल

उपभोक्ता हितों के लिए बेहतर पहल

उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, 2018 लोकसभा में पास हो गया। यह विधेयक उपभोक्ताओं के हित के संरक्षण व उनसे जुड़े विवादों का समय से प्रभावी निपटारा करेगा। 1986 में लागू हुए कानून में उपभोक्ताओं को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए जिला मंच, राज्य आयोग और राष्ट्रीय आयोग का गठन किया गया था। मगर यह व्यवस्था समय के साथ कारगर साबित नहीं हो पा रही थी और ग्राहक परेशान था।

लोकसभा में उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, 2018 पास हो गया। यह विधेयक उपभोक्ताओं के हित के संरक्षण व उनसे जुड़े विवादों का समय से प्रभावी निपटारा करेगा। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए रामविलास पासवान ने कहा कि विधेयक में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जिससे देश के संघीय ढांचे को नुकसान हो। राज्यों के अधिकारों का पूरा खयाल रखा गया है और उसमें किसी तरह का दखल नहीं होगा। यह कानून 1986 में बना था, तब से स्थिति में काफी बदलाव आ चुका है और कानून उपभोक्ताओं के लिहाज से न्याय नहीं कर पा रहा था। नए विधेयक का फायदा यह है कि पहले उपभोक्ता को वहां जाकर शिकायत करनी होती थी जहां से उसने सामान खरीदा है, लेकिन अब घर से ही शिकायत की जा सकती है। इसके अलावा विधेयक में मध्यस्थता का भी प्रावधान है। नए विधेयक में प्रावधान है कि अगर जिला और राज्य उपभोक्ता फोरम उपभोक्ता के हित में फैसला सुनाते हैं तो आरोपी कंपनी राष्ट्रीय फोरम में नहीं जा सकती। पहले उपभोक्ता को वहां जाकर शिकायत करनी होती थी जहां से उसने सामान खरीदा है, लेकिन अब घर से ही शिकायत की जा सकती है।

इसके अलावा विधेयक में मध्यस्थता का भी प्रावधान है। विधेयक का अहम तथ्य यह भी है कि स्थाई समिति ने भ्रामक विज्ञापनों में दिखने वाले सेलिब्रिटियों को जेल की सजा की सिफारिश की थी लेकिन इसमें केवल जुर्माने का प्रावधान किया गया है। उपभोक्ता संरक्षण संशोधन विधेयक के संसद से पारित होते ही उपभोक्ताओं के लिए एक नए युग का प्रारंभ होना सुनिश्चित है। अब जबकि नए कानून की दिशा में बढ़ा जा चुका है, तो लंबित पड़े मामलों पर भी ध्यान देना होगा। राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग में 20 हजार मामले और राज्यों के उपभोक्ता आयोग में कुल मिलाकर एक लाख मामले लंबित हैं। अब जबकि नए विधेयक में उपभोक्ताओं को मामला दर्ज करने में सहूलियत दे दी गई है, तो इसकी भी व्यवस्था करनी होगी कि मामलों को निपटारा तेजी से हो, अन्यथा मामलों की संख्या बढ़ती जाएगी और उपभोक्ताओं की असंतुष्टि भी।

एक सर्वे के अनुसार इस समय देश में जाली उपभोक्ता वस्तुओं का बाजार 2500 करोड़ रुपए को पार कर गया है। मौजूदा कानून 1986 में लागू किया गया था। इस कानून को लागू करते समय उपभोक्ताओं को शोषण से मुक्त करते हुए उपभोक्ता हितों की सुरक्षा करने का प्रयास किया गया। लागू होने के तीस वर्ष से जयादा बीत जाने के बाद भी यह कानून उपभोक्ता संरक्षण की दृष्टि से वह सब नहीं कर पाया, जिसकी अपेक्षा थी। हालांकि इस कानून में उपभोक्ताओं को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए त्रि-स्तरीय अर्धन्यायिक व्यवस्था की गई थी, ताकि परंपरागत न्यायालयों में उपभोक्ताओं से जुड़े मामले जिला मंच, राज्य आयोग और राष्ट्रीय आयोग के माध्यम से शीघ्र ही निपटाए जा सकें। मगर ऐसा कुछ नहीं हो पाया। 1986 में लागू हुए कानून में उपभोक्ताओं को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए त्रि-स्तरीय अर्धन्यायिक व्यवस्था की गई थी, ताकि परंपरागत न्यायालयों में उपभोक्ताओं से जुड़े मामले जिला मंच, राज्य आयोग और राष्ट्रीय आयोग के माध्यम से शीघ्र ही निपटाए जा सकें। इसमें उपभोक्ताओं के लिए खुद ही अपने मामले का समाधान करने की व्यवस्था थी। लेकिन वास्तव में यह नहीं हो पाया। उपभोक्ता को राहत के लिए वकीलों की सहायता अधिकतर मामलों में लेनी ही पड़ी। उसको विभिन्न रूपों में अदालतों की तरह ही कार्यवाही का सामना करना पड़ा। इस कानून के होते हुए भी विभिन्न रूपों में उपभोक्ताओं का शोषण रुका नहीं, बढ़ा ही। व्यवसाय, उद्योग जगत और सेवा प्रदान करने वाली कंपनियों और संस्थाओं ने नित नए तरीके से उपभोक्ताओं के शोषण का रास्ता निकाल लिया। हाल में आईं ई-कॉमर्स वाली कंपनियां, जो ऑन लाइन सेलिंग का कार्य करती हैं, उन्होंने इस कानून की अस्पष्टता का भरपूर लाभ उठाते हुए उपभोक्ताओं को बहुत लूटा।

इन कंपनियों द्वारा विज्ञापन में दिखाया गया माल नहीं भेजना, डुप्लीकेट माल देना, ज्यादा पैसा वसूलना, मनी बैंक गारंटी होने के बावजूद माल वापस लौटाने पर भुगतान की गई राशि को वापस नहीं लौटाना, पुराना और टूटा-फूटा माल भेजना, तकनीकी खामियों वाला माल भेजना जैसी शिकायतें आम हैं। इन्होंने झूठे और भ्रामक विज्ञापन देकर उपभोक्ताओं का बहुत शोषण किया। ऑन लाइन सेलिंग में घुटनों के दर्द का रामबाण इलाज, कद लंबा करना, सेक्स पावर बढ़ाना, विभिन्न तंत्र-मंत्र वाली अंगूठियों, लॉकेट, हीरे, विभिन्न राशि वाले नगों आदि के विज्ञापन आम हैं। व्यवहार में ऐसे विज्ञापनों और इन उत्पादों के लिए एक आचार संहिता प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने लगा रखी है। सरकार भी ऐसे उत्पादों के विज्ञापन और विक्रय को हतोत्साहित करती है, लेकिन अब टीवी के जरिए ऑनलाइन, सेलिंग कंपनियों ने इन्हें आम बना दिया है और यह उपभोक्ताओं की ठगी का बड़ा हथियार बनता जा रहा है। देश में प्रचलित उपभोक्ता संरक्षण कानून की खामियों के कारण इसमें व्यापक बदलाव की मांग निरंतर बढ़ती रही थी। अब सरकार इस दिशा में कदम उठाने के उपाय कर रही है, इसलिए इस कानून में व्यापक बदलाव किए जाने की बात कही जा रही है। इस कानून में जो बदलाव किए जाने हैं उनमें सबसे महत्वपूर्ण इसके मौद्रिक क्षेत्राधिकार को बढ़ाना है। इस कानून में वर्तमान में जिला मंच द्वारा वस्तु के मूल्य और क्षतिपूर्ति के बदले की कुल राशि, जो वर्तमान में बीस लाख तक है, उसे एक करोड़ रुपए तक करने का प्रस्ताव किया गया है।

इसी प्रकार राज्य उपभोक्ता आयोग में दो लाख से अधिक और एक करोड़ रुपए की सीमा को दस करोड़ रुपए करने का प्रावधान है। इसी प्रकार राष्ट्रीय आयोग में दस करोड़ रुपए से अधिक के मामलों के विचार का प्रावधान किया गया है। ई-कॉमर्स के बढ़ते चलन और इस क्षेत्र में उपभोक्ताओं के शोषण की शिकायतों के चलते ई-कॉमर्स के लेन-देन को इस कानून में सम्मिलित करने की व्यवस्था की जा रही है। वर्तमान कानून में उपभोक्ता अपनी शिकायत केवल उसी स्थान पर कर सकता है, जहां से वह लेन-देन करता है। यानी उसी शहर या जगह से जहां संबंधित व्यवसायी का व्यवसाय, शाखा या निवास स्थान है। अब इस कानून को बदल कर यह व्यवस्था की जा रही है कि उपभोक्ता संबंधित व्यवसाय के भौगोलिक क्षेत्र के बाहर किसी भी शहर, गांव या स्थान कहीं से भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। चाहे वह क्षेत्र विक्रेता का हो या नहीं। इन दिनों ई-कॉमर्स के बढ़ते दायरे को देखते हुए भी यह जरूरी हो गया है कि जब उपभोक्ता चाहे कहीं भी बैठा माल खरीद सकता है तो उसे अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए भौगोलिक सीमा की बाध्यता क्यों होनी चाहिए! उपभोक्ता मामलों में होने वाली लंबी सुनवाइयों और अनावश्यक देरी से निजात पाने के लिए प्रस्तावित कानून में पहली बार मध्यस्थता की व्यवस्था की जा रही है। उसके अंतर्गत उपभोक्ता विवाद के दोनों पक्षकार एक मध्यस्थ के माध्यम से विचार-विमर्श करके विवादों का समाधान निकाल सकेंगे।

अदालतों में शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को सरल बनाना भी जरूरी है। त्वरित और समयबद्ध तरीके से उसकी शिकायतों का निपटारा करने की प्रभावी व्यवस्था करने की भी प्रस्तावित कानून में बहुत जरूरत है। उपभोक्ता को सूचना, शिक्षा, वस्तु के चयन आदि के संबंध में प्रभावी ढंग से जानकारियां उपलब्ध कराने और उपभोक्ता संरक्षण के लिए गैर-सरकारी संगठनों के निर्माण और उनके माध्यम से शिकायतों के समाधान का एक सुदृढ़ ढांचा बनाया जाना जरूरी है।

राकेश सरन
(स्वतंत्र टिप्पणीकार)

राज-विचार

हरकतों से बाज आए पाकिस्तान

पाक में भारतीय कर्मचारियों से बदसलूकी के मामले उठते रहे हैं, मगर इस बार तो उसने भारतीय रिहायशी आवास को रसोई गैस देने से मना कर दिया है। इस तरह की हरकत दोनों देशों के राजयनिक संबंधों को पूरी तरह से खत्म कर देगी। यह अच्छा नहीं रहेगा।

भारत व पाकिस्तान एक बार फिर से आमने-सामने आ गए हैं। राजनयिकों के शोषण को लेकर दोनों देशों के रिश्तों में तनाव पैदा हो गया है। पाक ने इस्लामाबाद में बने नए भारतीय रिहायशी आवास को रसोई गैस देने से मना कर दिया है। कहा जा रहा है कि इस हरकत के पीछे पाकिस्तान की बदले की कार्रवाई छिपी है। दरअसल, इस महीने की शुरुआत में भारत ने पाकिस्तान के उच्चायुक्त सोहेल महमूद को कोलकाता जाने की इजाजत देने से मना कर दिया था। भारत का तर्क था कि पाकिस्तान ने मंजूरी लेने में काफी देर कर दी थी। भारत और पाकिस्तान के उच्चायुक्तों को राजधानी से बाहर जाने से पहले स्थानीय अधिकारियों की मंजूरी लेने की जरूरत होती है। अब पाक इसी बहाने भारतीय अफसरों को परेशान करने पर तुला है। इस मुद्दे को लगातार एक महीने से पाकिस्तान उच्चायोग और पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के सामने उठाया जा रहा है। बहुत सारे वर्बल नोट भेजे जा चुके हैं लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। नवनिर्मित रिहायशी आवास भारत और पाक की राजधानियों में होने वाले राजनयिकों के शोषण के केंद्र में है।

बता दें कि यह रिहायशी आवास निर्माण के समय से ही पाकिस्तान की आंख में खटकता रहा है। एक समूह ने रिहायशी आवास का निर्माण होते समय वहां घुसकर पानी एवं बिजली की सप्लाई बंद कर दी थी। यह पाकिस्तानी सरकार के इशारे पर हुआ था, जिसने कूटनीतिक विरोध को जन्म दिया था जो एक महीने तक रहा था। यह रिहायशी आवास अब कई भारतीय राजनयिक और उनके स्टाफ का घर है। पाक की हरकत से सर्दी के मौसम ने आवास में रहने वाले भारतीयों के लिए परिस्थिति को काफी ज्यादा बदतर बना दिया है क्योंकि हीटिंग सिस्टम को चालू करने के लिए गैस की जरूरत होती है। पाकिस्तान में भारतीय उच्चायोग में आने वाले मेहमानों से रिसेप्शन पर सवाल किए जा रहे हैं। इन परेशानियों के साथ ही राजनयिकों के इंटरनेट को भी ब्लॉक किया जा रहा है। इसी साल मार्च में पाक और भारतीय राजनयिकों ने अपने कथित शोषण की बात कही थी। उच्च स्तर पर बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने इसे सुलझा लिया था।

यह एक ऐसा दुखद सिलसिला है, जिसे रोकने की कोई सूरत नजर नहीं आती। पाकिस्तान ने भारतीय कर्मचारियों पर जो जुल्म ढाए उसकी मिसाल दुनिया में कहीं और नहीं मिलती। आपसी रिश्तों या आपसी दुर्भावनाओं के लंबे इतिहास में यह ऐसा मोड़ है, जो इस सिलसिले को अचानक गंभीर बना देता है। अतीत में पाकिस्तानी एजेंसियां भारतीय कर्मचारियों को लहूलुहान तक कर चुकी हैं, लेकिन कभी इतने ऊंचे स्तर के राजनयिक से बदसलूकी की कोशिश नहीं की गई। कहने को हमारे पास पाकिस्तानी आचरण की निंदा के लिए भरपूर सामग्री है, हमेशा की तरह हम यह बात दुनिया के सामने रख रहे हैं, लेकिन पाक इस सबसे बेअसर है। राजनयिक तनाव का यह नया दौर आपसी संवाद की गुंजाइश को खत्म कर देता है।

सही राह पर हैं कमलनाथ

विधानसभा चुनाव के समय राजनीतिक परिदृश्य को लेकर जो बातें कही गई थीं, उनमें कटुता सबसे ऊपर थी, मगर प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री के रूप में कमलनाथ ने जिस तरह की परिपक्वता दिखाई है, वह शालीन प्रयास है। कमलनाथ को इस तरह के प्रयास करने होंगे, क्योंकि आज के दौर की जैसी राजनीति है, उसमें शालीनता का समावेश बहुत जरूरी है और कमलनाथ बेहतर उदाहरण पेश कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश विधानसभा के चुनावी नतीजे आने के बहुत पहले ही एक दूरदर्शी राजनीतिक प्रेक्षक ने प्रदेश के भावी राजनीतिक परिदृश्य को लेकर तीन बातें कही थीं। एकः कोई भी पार्टी जीते हमें एक मजबूत प्रतिपक्ष मिलेगा। दोः खजाना इतना खाली है कि यदि शिवराज भी पुनः जीत जाएं तो वे भी अपनी घोषणाएं पूरी नहीं कर पाएंगे। तीनः चुनाव में इतनी अधिक मारामारी हो चुकी है कि परस्पर असहमति और कटुता का वातावरण बना रहेगा। यह बातें भाजपा तथा कांग्रेस पर समान रूप से लागू होती हैं। अब जहां तक कटुता का प्रश्न है तो कमलनाथ ने अपनी परिपक्वता और व्यावहारिकता का प्रदर्शन पहले ही दिन से करने की कोशिश की है। शिवराज सिंह चौहान को सम्मानपूर्वक शपथ ग्रहण समारोह में बुलाना और सादर मंच पर बैठाना तथा दोनों का सौजन्यता का सार्वजनिक प्रदर्शन व फिर उन्हें उनके पसंद का वही बंगला अलॉट करना जो अब तक विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के पास था, परस्पर सद्भाव बनाने का शालीन प्रयास है।

यह याद रहे कि इसी बंगले में एक समय प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रकाशचंद सेठी भी रहा करते थे। यह भी बताते चलें कि प्रदेश के 62 साल के इतिहास में किसी भी शपथ ग्रहण समारोह में अभी तक निर्वतमान मुख्यमंत्री कभी भी उदीयमान के साथ मंचासीन नहीं देखे गए हैं। पर यह सब कमलनाथ की व्यावहारिकता तथा शिवराज के शील के कारण संभव हुआ है। यक्ष प्रश्न यह है कि क्या यह सब मंचीय दिखावा बनकर रह जाएगा या कि इसमें से कुछ सार-सत्व भी सामने आएगा? फिलहाल तो भाजपा अपनी चुनावी पराजय के घाव चाट रही है और कांग्रेस एक अधूरी विजय का जश्न मना रही है। यह नहीं भूलना चाहिए कि चुनावी विजय की पृष्ठभूमि में दोनों दलों को लगभग समान जनसमर्थन का गणित है। दोनों के सामने 2019 का आम चुनाव मुंह बाये खड़ा है। जहां तक विजयी कांग्रेस का सवाल है तो उसके सामने पार्टी और सरकार दोनों में तालमेल बैठाए रखने का प्रश्न है। ऐसा नहीं है कि ये समस्याएं भाजपा के सामने नहीं हैं। उसके सामने तो प्रदेश का किला हारने के बाद मोदी का किला बचाने की समस्या और भी जटिल है। कांग्रेस का पूरा प्रयास 'मोदी से बैर नहीं: शिवराज की खैर नहीं' विषयक नारे को उलटने का रहेगा क्योंकि अब मुद्दा शिवराज का नहीं रह गया है।

भाजपा पर कांग्रेस की जीत में भले ही मात्र पांच का अंतर हो, उसके प्रतिपक्षी अवतार की हैसियत से तुलना करने पर कांग्रेस की जीत बहुत बड़ी लगती है। उसकी जीत उतनी ही बड़ी है जितनी कि भाजपा की हार छोटी है। कांग्रेस ने अपना आंकड़ा न सिर्फ दोगुना कर दिया बल्कि स्थानीय स्तर पर आंकें तो बहुत जबरदस्त फेरबदल किया है। मालवा जैसे भाजपा के गढ़ बहुत कुछ ध्वस्त कर दिए गए हैं। विदिशा जैसे जनसंघ के पालने से भाजपा हार गई जहां से एक समय अटलजी, शिवराज और सुषमा स्वराज भाजपा के अवतार में विजयश्री का वरण किया करते थे। आदिवासी क्षेत्रों में कांग्रेस ने अपनी सीटें दोगुनी करके 15 से 30 कर लीं। जिस क्षेत्र से भाजपा के पितृपुरुष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी जीता करते थे उसी क्षेत्र से उनके चिरंजीव राज्यमंत्री दीपक जोशी हार गए। ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस ने अपना परचम खूब बुलंद किया। वहां की 148 सीटों में से 78 कांग्रेस ने जीत लीं। नगरीय क्षेत्रों में 82 में से 32 सीटें जीतना भी उपलब्धि है।

खासतौर से तब जबकि यही वे क्षेत्र हैं जहां मोदी का हिंदुत्व एजेंडा काम करते दिख रहा था। कहीं अब हिंदुत्व के चेक का जमा-पूंजी से भी ज्यादा नकदीकरण की कोशिश भारी तो नहीं पड़ गई? अली-बजरंगबली और हनुमानजी को दलित बताया जाना आदि प्रसंग अनुत्पादक सिद्ध हुए। विनोदी लोग कहते हैं कि हनुमानजी ने गदा घुमाकर तीन प्रदेशों से भाजपा को बेदखल कर दिया। क्या किसान-वर्ग का रोष मंदसौर-मॉडल से पूरी तरह व्यक्त हो पाया? शायद भाजपा के लिए नहीं क्योंकि वह तो यही कहेगी कि मंदसौर और रतलाम क्षेत्र में उसकी जीत हुई है। यथार्थतः किसानों का असंतोष पूरे प्रदेश में था। इसी के साथ खेतिहर मजदूरों का गुस्सा भी था जो मनरेगा योजनाओं में कमी की वजह से पनपा। अब सर्वे बताते हैं कि अजा/जजा/कानूनों का खासा प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। 50 प्रतिशत उच्च जाति-वर्ग, 53 प्रतिशत दलित और 62 प्रतिशत आदिवासी प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए। यह मार दुधारी थी। सवर्ण भी नाराज। अवर्ण भी नाराज। फिर 'माई का लाल' करता भी क्या?

कुछ प्रेक्षक तो साफकह रहे हैं कि राहुल गांधी को बड़ा नेता बनाने में मध्यप्रदेश का बहुत बड़ा योगदान है। सत्ता विरोधी लहर होना स्वाभाविक है, लेकिन शिवराज से इतना असंतोष नहीं था जो आक्रोश या नफरत में बदलता। अतः भाजपा को अपनी हार के कारण शिवराज-इतर अपनी बड़बोली कार्य संस्कृति में भी खोजने होंगे। नौ बार विजयश्री का वरण करने वाले और एक बार पराजय का स्वाद चखने वाले कमलनाथ अपनी समस्याएं जानते हैं। इन चुनावों में प्रदेशाध्यक्ष के नाते कमलनाथ ने बहुत मेहनत की है। उनका छिंदवाड़ा-मॉडल उन्हें एक विकास पुरुष के रूप में स्थापित करके असीम आशा-अपेक्षाएं जगाता है। वहीं चुनावी अभियान समिति के अध्यक्ष की हैसियत से सिंधिया ने भी खूब पसीना बहाया है। राजनीतिक अभियानों में एक बुनियादी सवाल तो उठता है कि जिसकी जितनी भागीदारी उसकी उतनी हिस्सेदारी। कांग्रेस ने अब मुख्यमंत्री की समस्या सुलझा ली है। राहुल के लिए 72 वर्षीय कमलनाथ उनके ताऊ संजय गांधी की पीढ़ी के हैं। सिंधिया के लिए स्वयं राहुल गांधी आदर्श हैं। सवाल पीढ़ी के अंतराल का भी है। कमलनाथ दूरदर्शी हैं। सबको साथ लेकर चलने में सक्षम है।

उनकी ये चरित्रगत विशेषताएं मंत्रिमंडल-गठन और विभाग वितरण, प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति और फिर निगम-मंडलों में रेवड़ी बंटन की नट-क्षमता की कसौटी पर होगी। मुख्यमंत्री के पास इतना समय नहीं होता है कि वह संगठन और सरकार एक साथ चला सके। हो सकता है कि परिपक्व आलाकमान कमलनाथ की सहमति से सिंधिया को प्रदेशाध्यक्ष बनाकर उनकी संगठन क्षमता का भरपूर लाभ उठाने का प्रयास करे। ऐसा करके स्वयं कमलनाथ सरकार और संगठन दोनों के स्तर पर एक अद्भुत एवं विलक्षण सहमति पुरुष के रूप में उभर सकते हैं। प्रदेशाध्यक्ष के रूप में कमलनाथ का अवतरण एक ऐसे अजातशत्रु नेता के रूप में हुआ था जैसा कि राजनीति में संभव है। कमलनाथ ने शुरुआत अति उत्तम की है। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री सचिवालय में सत्ता का केंद्रीकरण नहीं होगा। उन्होंने दो घंटे के अंदर किसानों के कर्जे माफकर दिए। कमलनाथ जानते हैं कि छवि कभी भी मूल से उजली नहीं हो सकती। भाजपा की कांग्रेस-मुक्त भारत की अवधारणा फेल हो जाने के बाद राजनेताओं को गुटमुक्त राजनीति के सपने देखना छोड़ ही देना चाहिए। गुट तो बने रहेंगे, लेकिन उनके बीच भी आम सहमति बनाई जा सकती है। मुख्यमंत्री कमलनाथ में ऐसा सहमति पुरुष बनने की अपार क्षमता है। जहां तक ज्योतिरादित्य सिंधिया और कमलनाथ के बीच असहमति के तत्वों को हवा देने का सवाल है तो यह काम इन दोनों खेमों के निहित स्वार्थ निरंतर करते रहेंगे।

घनश्याम सक्सेना
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

भारतीय अधिकारियों के घरों को रसोई गैस की सप्लाई बंद करने का मामला सरकार पाकिस्तान से लगातार उठा रही है। जल्द ही इस मामले को हल कर लिया जाएगा।

वीके सिंह,, विदेश राज्यमंत्री

भारतीय अधिकारियों के घरों को रसोई गैस की सप्लाई बंद करने के मामले को भारत को हल्के में नहीं लेना चाहिए। पाक पहले भी कई बार परेशान कर चुका है।

मारुफ रजा, रक्षा विशेषज्ञ

सत्यार्थ

अवसर को पहचानना सीखें

एक भिखारी हर रोज की तरह सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। वह पूर्णिमा का दिन था। भिखारी मन ही मन सोच रहा था कि आज तो मेरी झोली शाम से पहले ही भर जाएगी। अभी वह कुछ दूर ही चला था कि अचानक सामने से राजा की सवारी आती दिखी। भिखारी खुश हो गया। इसके बाद उसने सोचा कि अब राजा के दर्शन और मिलने वाले दान से मेरी गरीबी दूर हो जाएगी। जैसे ही राजा भिखारी के निकट आया, तो उसने अपना रथ रुकवा लिया। लेकिन यह क्या, राजा ने उसे कुछ देने के बजाय अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और उलटे उसी से भीख मांगने लगा। भिखारी की समझ में ही नहीं आ रहा था कि वह करे, तो क्या करे। खैर, उसने अपनी झोली में हाथ डाला व जैसे-तैसे मन मसोस कर उसने जौ के दो दाने निकाले और राजा की चादर पर डाल दिए। राजा चला गया तो भिखारी भी दुखी मन से आगे चल दिया। उस दिन उसे और दिनों के मुकाबले कुछ ज्यादा ही भीख मिली, पर उसे खुशी नहीं हो रही थी। दरअसल, उसे राजा को दो दाने भीख देने का बड़ा मलाल था। शाम को घर आकर जब भिखारी ने अपनी झोली को पलटा, तो उसके आश्चर्य की सीमा नहीं रही। उसकी झोली में दो दाने सोने के हो गए थे। वह समझ गया कि यह सब दान की महिमा के कारण ही हुआ है। उसे बहुत पछतावा हुआ कि काश, राजा को कुछ और दाने दान कर देता। आशय यह है कि अवसर ऐसे ही लुके-छिपे ढंग से सामने आते हैं, लेकिन वक्त रहते व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं पाता है। जो व्यक्ति मौके को पहचान लेता है, प्रगति भी वही करता है व वही अपनी समस्याओं का हल खोज पाता है।

मिलन सिंह

सार समाचार

इंडोनेशिया में सुनामी से मरने वालों की संख्या 281 हुई, आंकड़ा बढ़ने की आशंका

जकार्ता। इंडोनेशिया में ज्वालामुखी फटने के बाद आई सुनामी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 281 हो गई है और 1,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता सुतोपो पूर्वो नुग्रोहो ने कहा, ''मृतकों की संख्या और नुकसान दोनों में बढ़ोतरी होगी।''

अनाक क्राकाटोआ या 'क्राकाटोआ का बच्चा' ज्वालामुखी के फटने के बाद शनिवार को स्थानीय समयानुसार रात साढ़े नौ बजे दक्षिणी सुमात्रा और पश्चिमी जावा के पास समुद्र की ऊंची लहरें तटों को पार कर आगे बढ़ीं। इससे सैकड़ों मकान नष्ट हो गए। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान एवं भूभौतिकी एजेंसी के वैज्ञानिकों ने कहा कि अनाक क्राकाटोआ ज्वालामुखी के फटने के बाद समुद्र के नीचे मची तीव्र हलचल सुनामी की वजह हो सकती है। इंडोनेशिया की भूगर्भीय एजेंसी के मुताबिक अनाक क्राकाटोआ ज्वालामुखी में बीते कुछ दिनों से राख उठने की वजह से कुछ हरकत होने के संकेत मिल रहे थे। यह विशाल द्वीपसमूह देश पृथ्वी पर सबसे अधिक आपदा संभावित देशों में से एक है, क्योंकि इसकी अवस्थिति प्रशांत अग्नि वलय के दायरे में है, जहां टेक्टोनिक प्लेट आपस में टकराती हैं। इससे पहले सितंबर में सुलावेसी द्वीप पर पालू शहर में आए भूकंप और सुनामी में हजारों लोगों की जान गई थी। अंतरराष्ट्रीय सुनामी सूचना केन्द्र के अनुसार हालांकि ज्वालामुखी विस्फोट से सुनामी आने की आशंका कम होती है।

ब्रिटिश एयरपोर्ट पर ड्रोन्स दिखने की खबर अफवाह, तकनीकी समस्या से कैंसिल हुई 760 फ्लाइट्स

लंदन । इंग्लैण्ड स्थित बर्मिंघम हवाईअड्डे के अधिकारियों ने कहा कि हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में आई समस्या को दूर कर दिया गया है। बर्मिंघम हवाईअड्डे पर रविवार को तकनीकी दिक्कत के चलते लगभग दो घंटे तक न तो कोई विमान उतर पाया और न ही कोई विमान रनवे से उड़ान भर पाया। अधिकारियों ने कहा कि बर्मिंघम हवाईअड्डे पर तकनीकी समस्या का ड्रोन विमान दिखने जैसी चीजों से कोई संबंध नहीं है जिसकी वजह से हाल में लंदन के गैटविक हवाईअड्डे पर बड़ी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। बर्मिंघम हवाईअड्डा लंदन से 160 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है। ब्रिटेन के गैटविक एयरपोर्ट पर बुधवार रात से उड़ानें बंद हैं। एयरपोर्ट पर उड़ान सेवा दो ड्रोन्स के देखे जाने के बाद बंद की गई है। इस कारण लगभग 760 फ्लाइट्स और 1.10 लाख यात्री प्रभावित हुए थे।

सीरिया से अमेरिकी सेना वापस बुलाने के आदेश पर हस्ताक्षर हुए: पेंटागन

वाशिंगटन। पेंटागन ने कहा है कि सीरिया में आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के खिलाफ युद्ध में सहायता के लिए तैनात अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने के आदेश पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। अमेरिकी सेना के एक प्रवक्ता ने रविवार को विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा, ''सीरिया से वापसी (सैनिकों की) के आदेश पर हस्ताक्षर हो चुके हैं।'' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अचानक से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने का निर्णय करते हुए हाल में कहा था कि जिहादी समूहों को व्यापक तौर पर शिकस्त दे दी गई है। अमेरिका के अनेक नेताओं और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों को लगता है कि यह कदम उठाने में जल्दबाजी की गई है तथा इससे पहले से ही सकंटग्रस्त क्षेत्र और भी अस्थिर हो सकता है।

नहीं होगी चीन में गिरफ्तार कनाडा के नागरिकों की रिहाई , चीन ने मांग ठुकराई

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने सोमवार को कहा कि हिरासत में लिए गए कनाडा के नागरिकों की रिहाई की मांग को लेकर कनाडा और अमेरिका द्वारा पिछले सप्ताह दिए गए बयान का वह पूरी तरह विरोध करता है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयांग ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'कनाडा और चीन के बयान पर चीन ने सख्त असंतोष प्रकट किया है और इसपर विरोध भी जताया गया।'' चीन ने इस महीने कनाडा के दो नागरिकों माइकल कोवरिग और माइकल स्पावर को हिरासत में ले लिया। उन पर चीन की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली गतिविधि में संलिप्त रहने का आरोप लगाया गया है। कोवरिग पूर्व राजनयिक और थिंक टैंक इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप (आईसीजी) से सलाहकार के तौर पर जुड़े हैं, जबकि स्पावर कारोबारी हैं।

यह घटनाक्रम ऐसे वक्त हुआ जब कनाडा ने हुआवे टेक्नोलॉजी की मुख्य वित्तीय अधिकारी मेंग वानझू को गिरफ्तार किया। चीन में अवैध तौर पर काम करने के आरोप में कनाडा की एक नागरिक सारा मैकलेवर को वापस भेजने का मामला भी अटक गया। कनाडा की शीर्ष राजनयिक क्रिस्टिया फ्रीलेन्ड ने हिरासत में लिए गए कनाडा के नागरिकों की रिहाई के लिए मित्र देशों से समर्थन की अपील करते हुए घटनाक्रम को समूचे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंताजनक बताया था।

कनाडा में हुआवे की अधिकारी की गिरफ्तारी के प्रतिक्रियास्वरूप मानी जा रही इन गिरफ्तारियों को लेकर ब्रिटेन, जर्मनी और यूरोपीय संघ ने बयान जारी कर चिंता प्रकट की थी। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने इन बयानों को खारिज करते हुए कहा कि इन देशों का अलग-अलग देशों के नागरिकों के लिए मानवाधिकार का अलग-अलग मानदंड है। उन्होंने कहा, ''इस मामले का ब्रिटेन और यूरोपीय संघ से क्या लेना देना? अमेरिका के आग्रह पर कनाडा ने जब चीनी कारोबारी को अवैध तौर पर हिरासत में लिया, तब वे कहां थे?''।

चीन ने सोमवार को कहा कि हिरासत में लिए गए कनाडा के नागरिकों की रिहाई की मांग को लेकर कनाडा और अमेरिका द्वारा पिछले सप्ताह दिए गए बयान का वह पूरी तरह विरोध करता है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयांग ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कनाडा और चीन के बयान पर चीन ने सख्त असंतोष प्रकट किया है और इसपर विरोध भी जताया गया।''

चीन ने इस महीने कनाडा के दो नागरिकों माइकल कोवरिग और माइकल स्पावर को हिरासत में ले लिया। उन पर चीन की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली गतिविधि में संलिप्त रहने का आरोप लगाया गया है। कोवरिग पूर्व राजनयिक और थिंक टैंक इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप (आईसीजी) से सलाहकार के तौर पर जुड़े हैं, जबकि स्पावर कारोबारी हैं।

यह घटनाक्रम ऐसे वक्त हुआ जब कनाडा ने हुआवे टेक्नोलॉजी की मुख्य वित्तीय अधिकारी मेंग वानझू को गिरफ्तार किया। चीन में अवैध तौर पर काम करने के आरोप में कनाडा की एक नागरिक सारा मैकलेवर को वापस भेजने का मामला भी अटक गया।

कनाडा की शीर्ष राजनयिक क्रिस्टिया फ्रीलेन्ड ने हिरासत में लिए गए कनाडा के नागरिकों की रिहाई के लिए मित्र देशों से समर्थन की अपील करते हुए घटनाक्रम को समूचे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंताजनक बताया था। कनाडा में हुआवे की अधिकारी की गिरफ्तारी के प्रतिक्रियास्वरूप मानी जा रही इन गिरफ्तारियों को लेकर ब्रिटेन, जर्मनी और यूरोपीय संघ ने बयान जारी कर चिंता प्रकट की थी।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने इन बयानों को खारिज करते हुए कहा कि इन देशों का अलग-अलग देशों के नागरिकों के लिए मानवाधिकार का अलग-अलग मानदंड है। उन्होंने कहा, ''इस मामले का ब्रिटेन और यूरोपीय संघ से क्या लेना देना? अमेरिका के आग्रह पर कनाडा ने जब चीनी कारोबारी को अवैध तौर पर हिरासत में लिया, तब वे कहां थे?''।

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने दो शीर्ष पदों पर नियुक्ति की

काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने रविवार को नये रक्षा मंत्री और गृह मंत्री की नियुक्ति की घोषणा की। इन दोनों शीर्ष पदों पर जिनकी नियुक्ति हुई है, उन्हें पड़ोसी पाकिस्तान को लेकर सख्त रूख अपनाने के लिए जाना जाता है। राष्ट्रपति के इस कदम से अगली गर्मी के पहले 7,000 अमेरिकी सैनिकों की वापसी से पहले तालिबान के साथ शांति वार्ता शुरू करने के अमेरिकी कोशिशों में और जटिलता आ सकती है।

गनी ने घोषणा की है कि अमरूल्ला सालेह अगले गृह मंत्री और असदुल्लाह खालिद रक्षा मंत्री होंगे। खुफिया प्रमुख रह चुके दोनों अधिकारियों ने हालिया वर्षों में तालिबान के फिर से उदय के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया था और कहा था कि उसे आतंकवाद को प्रश्रय देने वाला देश घोषित करना चाहिए।

अफगानिस्तान की संसद इन दोनों नियुक्तियों को मंजूर करेगी। पाकिस्तान का तालिबान पर प्रभाव है। शांति प्रक्रिया को फिर शुरू करने के अमेरिकी प्रयासों में तालिबान हिस्सा ले रहा है। पिछले

सप्ताह संयुक्त अरब अमीरात में वार्ता आयोजित कराने में पाकिस्तान ने मदद दी थी।

अल-अजीजिया मामले में नवाज शरीफ को सात वर्ष जेल की सजा, फ्लैगशिप मामले में बरी

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान की एक भ्रष्टाचार निरोधक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को अल-अजीजिया स्टील मिल्स भ्रष्टाचार के मामले में सोमवार को सात साल जेल की सजा सुनाई जबकि फ्लैगशिप इनवेस्टमेन्ट भ्रष्टाचार मामले में उन्हें बरी कर दिया। जवाबदेही अदालत के जज मुहम्मद अरशद मलिक ने शरीफ परिवार के खिलाफ भ्रष्टाचार के शेष दो मामलों में फैसला सुनाया। अदालत ने पिछले सप्ताह सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार जज मलिक ने अपने फैसले में कहा कि अल-अजीजिया मामले में 68 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ ठोस सबूत हैं। शरीफ को जब सजा सुनाई गई उस समय वह अदालत में मौजूद थे।

सुप्रीम कोर्ट ने तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके शरीफ के खिलाफ भ्रष्टाचार के शेष बचे दो मामलों का निपटारा करने के लिए सोमवार की समयसीमा तय की थी। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो ने आठ सितम्बर, 2017 को तीन मामले एवनफील्ड प्रॉपर्टीज मामला, फ्लैगशिप इनवेस्टमेंट मामला और अल-अजीजिया स्टील मिल्स मामला शुरू किया था। सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई, 2017 में पनामा पेपर्स मामले में शरीफ को अयोग्य ठहराया था।

पीएम मोदी की मेहनत लाई रंग, भारत और चीन के दिलों को जोड़ेगा 'योग'

बीजिंग (एजेंसी)।

भारत की मानसिक तथा आध्यात्मिक रूप में स्वस्थ जीवन जीने की प्राचीन कला 'योग' की चीन में बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए युन्नान प्रांत स्थित पहले योग कॉलेज ने देश में 50 शाखाएं खोलने की योजना बनाई है. सरकारी मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के बाद वर्ष 2015 में कुनमिंग की 'युन्नान मिन्जू यूनिवर्सिटी' में पहला 'चीन-भारत योग कॉलेज' स्थापित किया गया था. सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार युन्नान विश्वविद्यालय में शनिवार को उनकी पहली शाखा लिजिआंग में खोलने की घोषणा की गई थी.

बढ़ती मांग पर गौर करते हुए 'चीन-भारत योग कॉलेज' ने इसे विभिन्न शहरों तक पहुंचाने का संकल्प लिया है. एजेंसी ने चीन-भारत योग कॉलेज के डीन चेन लुयान के हवाले से कहा, ''योग शिक्षा और शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए कुल 50 शाखाएं खोलीं जाएंगी.'' इस साल 21 जून को संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में भारत के बाद सबसे अधिक चीनी नागरिकों ने ही हिस्सा लिया था.

'भारत-चीन संबंधों में एक सेतु का काम करेगा चीन का योगा कॉलेज'

आपको बता दें कि इससे पहले चीन में भारत के राजदूत गौतम बंबावाले ने चौथे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कहा था कि योग अब भारत और चीन के लोगों को एक दूसरे के करीब लाने में सेतु बन गया है. संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किये जाने के बाद से हर वर्ष चीन में योग दिवस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शिरकत करते हैं.

बंबावाले ने कहा था, ''मैं कहूंगा कि चीन में हजारों लोगों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया. हालांकि लाखों अन्य लोग अपने तरीके से या तो व्यक्तिगत रुप से या छोटे छोटे समूहों में योग कर रहे होंगे.'' उन्होंने कहा कि चीन में 25-30 शहरों में लोगों की बड़ी संख्या में भागीदारी के साथ यह दिवस मनाया जा रहा है.

क्रिसमस से पहले सांता सिंह ने कनाडा की गलियों में लोगों के साथ किया भांगड़ा, बांटे गिफ्ट

कनाडा (एजेंसी)।

आज क्रिसमस है, ऐसे में दुनिया भर में इसकी धूम देखने को मिल रही है. बाजार से लेकर घर तक सज गए हैं. वहीं सोशल मीडिया भी क्रिसमस ट्री, खुशनुमा चेरहों और सांता क्लॉज की तस्वीरों से जगमगा उठा है. ऐसे में कनाडा की सड़कों पर क्रिसमस के उत्साह में चार-चांद लगाता दिख रहा है एक पंजाबी युवक अपनी धुन पर सबको नचाता दिख रहा है. कभी वह ढोल-नगाड़ों की धुन पर लोगों को नचाता हुआ दिखाई देता है तो कभी लोगों के साथ तस्वीर खिंचाता और उन्हें गिफ्ट देता है.

इस युवक का यह सांता क्लॉज वाला वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है. बता दें यह वीडियो साल 2016 का है, लेकिन क्रिसमस का मौका होने के कारण यह सोशल मीडिया पर छाया हुआ है. 6 मिनट के इस वीडियो को देखकर आप हंसकर लोट-पोट हो जाएंगे. बता दें सोशल मीडिया पर इस वीडियो को अब तक लाखों बार देखा जा चुका है. वहीं यह वीडियो हजारों बार शेयर भी किया जा चुका है.

पंजाबी गाने पर विदेशियों को भांगड़ा कराते देखकर कई लोगों ने इस पंजाबी सांता क्लॉज की तारीफ की है. यह वीडियो 'Gucci Thingy Guy' नाम के इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर किया गया था, जिसे अब तक कई लोग शेयर कर चुके हैं. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में मौजूद शख्स को लोग 'सांता सिंह' कहकर कमेंट भी कर रहे हैं. करीब 6 मिनट के इस वीडियो में सांता सिंह जिम में भी अपना हुनर दिखाते दिख रहे हैं. वहीं जिम से निकलकर वह रास्ते से निकल रहे लोगों में मिठाईयां और चॉकलेट बाटते भी दिख रहे हैं. इसके साथ ही कई जगह पर सांता सिंह ने लोगों के साथ पंजाबी गाने पर भांगड़ा भी किया. जिसे देखकर लोग सांता सिंह की काफी तारीफ कर रहे हैं.

डेमोक्रेट रो खन्ना ने सेना वापस बुलाने के ट्रंप के फैसले का समर्थन किया

वाशिंगटन (एजेंसी)।

वॉशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी डेमोक्रेट एवं डोनाल्ड ट्रंप के मुखर आलोचक रो खन्ना सीरिया एवं अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना को वापस बुलाए जाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के समर्थन में सामने आए हैं। खन्ना ने कहा कि उनकी पार्टी के सहयोगियों को एक वैकल्पिक दृष्टिकोण की पेशकश के बिना इस बात को ज्यादा नहीं खींचना चाहिए।

सिलिकॉन घाटी का प्रतिनिधित्व करने वाले 42 वर्षीय कांग्रेस सदस्य ने सीरिया से सेना को वापस बुलाए जाने और युद्धग्रस्त अफगानिस्तान से अपनी सेना के 15,000 कर्मियों में से करीब आधों को वापस बुला लेने के राष्ट्रपति के फैसले के समर्थन में मजबूती से आकर कइयों को अचंभित कर दिया। खन्ना ने कहा कि वह राष्ट्र के हित में ऐसा कर रहे हैं।

वॉशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित एक संपादकीय पृष्ठ में खन्ना ने लिखा, 'कुछ दिनों पहले मैं ट्रंप के साथ था क्योंकि मुझे एक विधेयक पर उनके हस्ताक्षर करवाने थे। मैंने कहा कि श्रीमान राष्ट्रपति, चीन ने 1979 से कोई युद्ध नहीं किया। अगर हम उनसे जीतना चाहते हैं तो हमें युद्ध में नहीं फंसना चाहिए। उन्होंने सहमति जताई और गौर किया कि चीन ने एक भी गोली चलाए बिना खुद को समृद्ध बनाया है।÷सशस्त्र सेवा समिति में रहे खन्ना नवंबर के मध्यावधि चुनावों में दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुने गए।

उन्होंने लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रंप सीरिया एवं अफगानिस्तान से सेना वापस बुलाए जाने के फैसले पर कड़ी आलोचना का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस के डेमोक्रेट सदस्यों को एक वैकल्पिक दृष्टिकोण सुझाए बिना इसे इतना नहीं खींचना चाहिए।'

भाटेना में बिना पार्कींग की व्यवस्था वाले

31 ट्रांसपोर्ट गोडाउन को सील किया गया

सूरत। महानगर पालिका कमिश्नर द्वारा भाटेना क्षेत्र में चल रहे अवैध ट्रांसपोर्ट गोदामों पर अंकुश लगाने के निर्देश के तहत सोमवार को लिंबायत जोन द्वारा सील मारने की कार्रवाई शुरु की गई। इन गोदामों में पार्कींग की पर्याप्त व्यवस्था न होने से उन्हें यहां से स्थानातरित करने को नोटिस दिया गया था। बावजूद इसके ट्रांसपोर्ट संचालकों द्वारा गोदाम स्थानांतरित करने की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं किया गया था। जिसके चलते ट्राफिक में बाधा साबित हो रहे 31 गोदामों को रविवार को सील कर दिया गया। लिंबायत जोन के कार्यपालक इंजीनियर भेरव देसाई ने बताया कि भाटेना क्षेत्र में अवैध रुप से संचालित पर अंकुश लगाने का निर्देश मनपा आयुक्त द्वारा दिए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई है। मनपा कमिश्नर द्वारा भाटेना में संचालित गोदामों को स्थानांतरित कनरे तथा वाहनों के पार्कींग की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया था। परन्तु इन गोदाम संचालकों द्वारा वाहनों को सड़क पर खड़ी करने की वजह से इन क्षेत्रों में ट्राकि जाम की समस्या उत्पन्न हो रही थी। जिसपर लिंबायत जोन की तरफ से कई बार नोटिस दिया गया है। जिसकी परवाह किए बिना ये लोग मनपा की जमीन पर वाहन खड़ी कर रास्ते को अवरुद्ध कर रहे थे जिससे ट्रफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो रही थी। लिंबायत जोन के नोटिस की अवमानना करने वाले ट्रांसपोर्ट संचालक को के विरुद्ध कार्रवाई से ट्रांसपोर्ट संचालकों में हडकंप मच गया।

गौरतलब है कि शहर में बढती ट्राफिक जाम की समस्या को दूर करने के लिए मपा तथा ट्राफिक पुलिस समय समय पर कार्रवाई करती रहती है। जिसके तहत शहर के अंदर संचालित गोदामों को स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए है। बावजूद इसके कुछ ट्रांसपोर्ट संचालक मनमानी करने से बाज नहीं आ रहे है। ऐसे में मनपा द्वारा की जा रही इस कार्यवाई से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। विदित हो कि शहर के अंदर संचालित से ट्रांसपोर्ट संचालकों को सारोली तथा कड़ोदरा क्षेत्र में गोदाम स्थानांतरित के निर्देश दिए गए है।

डिंडोली ब्रिज पर ट्रक ने स्कुटी चालक को कुचला

स्कुटी चालक की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत

मृतक

सूरत। शहर में हालही में हुए बस दुर्घटना में 10 लोगों की मौत के सदमें से शहर अभी उबरा भी नहीं था कि सोमवार की दोपहर डिंडोली ब्रिज पर एक ट्रक चालक ने स्कुटी चालक को चपेट में ले लेने से स्कुटी चालक की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद क्षेत्र में सन्नाटा पसर गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार की दोपहर जी.जे 5 यू.यू 6733 न. के ट्रक ने एक स्कुटी को कुचल दिया। जिससे स्कुटी चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद ट्रक चालक ट्रक छोडकर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही डिंडोली पुलिस मौके पर पहुंच गई तथा जांच में जुट गई। पुलिस गाड़ी के नं. के आधार पर ट्रक मालिक को ढूंढने में लग गई है। पुलिस ने ट्रक को डिटेनकर जांच शुरु कर दी है। डिंडोली पुल पर बढती दुर्घटना से लोगों में भय का वातावरण पसर गया है।

नवसारी बस डिपो में एस.टी.बस चालक ने

तीन यात्रियों को उतारा मौत के घाट

सूरत। नवसारी एस.टी. बस डिपों में अपने बस का इंतजार कर यात्रियों को बस चालक ने कुचल दिया। जिसमें तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नवासीर से वलसाड़ जाने वाली बस संख्या जी-जे 18 वाई 6575 के चालक ने बस को रिवर्स लेते समय प्लेटफार्म नं. 4 पर चढा दिया। जहां अपने बस का इंतजार कर रहे 10 लोग चपेट में आ गए। जिसमें से तीन लोगों पर बस का पहिया चढ़ जाने से घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि 7 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। सभी घायलों को निकट के हास्पीटल में दाखिल कराया गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। तीन लोगों की मौत से चारो तरफ चीखपुकार मच गई। अफरा तफरी के इस माहौल में बस चालक बस छोडकर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक पियूष देसाई मौके पर पहुंच गए तथा घायलों को समुचित इलाज की व्यवस्था की स्थानीय विधायक ने मृतकों तथा घायलों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें सरकार से यथा संभव सहायता दिलाने की बता की। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि इस घटना के लिए बस का ड्राइवर पूरी तरह जिम्मेदार है। उसे बस को रिवर्स करते समय ध्यान रखना चाहिए था कि प्लेट फार्म पर यात्री बेठे हुए है। गौरतलब है कि इस घटना में ड्राइवर की लापरवाही सामने आई है। स्थानीय विधायक ने भी ड्राइवर को सरासर गलत मानते हुए उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। डांग में हुए बस दुर्घटना को अभी लोग भुला भी नहीं पाए थे कि इस घटना ने लोगों को पुन: शोक संतप्त कर दिया।

बस दुर्घटना की जांच कर रही पुलिस सूरत पुहंची

सूरत के तीन आरोपियों के विरुद्ध डांग में दर्ज हुआ आपराधिक मामला

सूरत। अमरौली के ट्यूशन क्लास से भ्रमण पर निकले विद्यार्थियों की बस लौटते समय महाकाल बरडीपाड़ा के पास खाड़ी में पलट जाने से 10 लोगों की हुई दर्दनाक मौत की घटना से चारों तरफ मातम पसर गया था। इस घटना में डांग जिले की सुबरी पुलिस ने ट्यूशन संचालिका, बस ड्राइवर तथा उमिया ट्रावेल्स के विरुद्ध आई.पी.सी की धारा 304 तथा मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी है। घटना की जांच के संदर्भ में डांग पुलिस सोमवार को सूरत पहुंची।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अमरौली क्षेत्र में रहने वाली तथा गुरुकृपा में पढने वाली मैत्री सुरेशभाई चौहाण(11वर्ष) धनश्री योगेश पाटील सहित कई विद्यार्थी डांग धूमने गए थे। अमरौली के छापरा भाटा रोड़ स्थित गुरुकृपा काम्पलेक्स के भूतल पर ट्यूशन क्लास चलता है। जिसका संचालन नीताबेन विपीन भाई पेटल द्वारा किया जाता है। डांग जिले के प्रवास पर गई सि बस के ड्राईवर द्वारा बस की स्टेयरिंग से अचानक नियंत्रण खो देने से यह दुर्घटना घटी। बस के 200 फूट गहरी खाई में गिर जने से कुल 10 व्यक्तियों की मौत हो गई। सुबीर पुलिस ने ट्यूशन संचालिका नीताबेन विपिन भाई पटेल, बस चालक संजय भाई जितेन्द्र भाई मेहता तथा उमिया ट्रावेल्स के मालिक के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का माला दर्ज कर आई.पी.सी की धारा 304 के तहत आपराधिक मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। इस मामले में रेंज आई जी एस.पी राजकुमार ने बताया कि डांग पुलिस नामित व्यक्तियों को पकडने के लिए सूरत आई है।

रुपये की लेनदेन में व्यापरी पर चाकू से हमला

सूरत। शहर के सरथाणा क्षेत्र स्थित शिवदर्शन सोसायटी में रुपये की लेनदेन कोलेकर व्यापारी पर चाकू से हमला किए जाने का मामला प्रकाश में आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार योगी चौक के निकट मिलानियों पार्क सोसायटी में रहने वाले मेहुल भाई पारखिया ने आरोपी प्रदीप भूपत ठमर सहित दो अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध सरथाणा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। जिसमें कहा गया है कि रुपये की लेनदेने के मामले में इन लोगों ने मेरे रुपये देने से इँकार कर दिया जिसपर कहासूनी होने पर आरोपियों ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया।

लग्नोत्तर संबंध रखनेवाले पति को

पत्नी के लिए घर की व्यवस्था करने का आदेश

सूरत। शाहपोर रहने वाली एक विवाहिता ने पति के विरुद्ध डोमेस्टिक वायलेंट एक्ट के मुताबिक एक अर्जी कोर्ट में दाखिल किया था। जिसकी सुनवाई पूरी होने पर परिणीता की वकील एडवोकेट प्रीती बेन जोशी के दलीलों को ध्यान से रखर अदालत ने परिणीता को आवास की व्यवस्था करने की हुक्म कोर्ट ने दिया। यदि पति पत्नी को अपने साथ नहीं रखता तो उसे पत्नी के लिए किराए पर मकान की व्यवस्था करनी होगी। एसके साथ ही अपनी नाबालिक बच्ची तथा पत्नी के भरण पोषण का सम्पूर्ण खर्च देना होगा।

लग्नोत्तर संबंध का मामला इस प्रकार है शाहपोर में रहने वाली शबाना टेलर का निकाह जावेद टेलर से हुआ था। जावेद टेलर जुआ खेलने के साथ दूसरी औरत के साथ अनैतिक तरीके से रहने लगा था। जिससे उसकी पत्नी से अक्सर झगड़ा होता रहता था। जिसके चलते पिछले महीने से पत्नी पति से अलग रह रही थी। पत्नी ने न्याय के लिए एडवोकेट प्रीती बेन जोशी के माध्यम से कोर्ट में अर्जी की। जिसकी सुनवाई करते हुए फेमिली कोर्ट ने पति को पत्नी के रहने की व्यवस्था के साथ उसकी तथा उसकी पुत्री के भरण पोषण की भी सम्पूर्ण व्यवस्था करने का हुक्म दिया। गौरतलब है कि मुस्लिम समाज की महिलाओं को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने त्रिपल तलाक बिल लाकर समाज में एक नई क्राति का संचार किया है। जिसकी बदौलत अपने हक्क के लिए मुस्लिम समाज की महिलाएं आगे आ रही है। परिणाम स्वरुप उन्हें कानून का साथ मिल रहा है। जिससे उनमें एक नये दृष्टिकोण का उदय हो रहा है। केंद्र सरकार के प्रयासों के परिणाम स्वरुप ही शबाना जैसी महिलाओं को अपने हक के लिए लड़ने का संबल मिला है।

दक्षिण गुजारत में टंडी का जोर यथावत

सूरत। सोमवार की सुबह से समग्र दक्षिण गुजरात में बादल छाया रहा। तापमान में थोडी सी बढत होने के बावजूद सुबह सुबह गुलाबी ठंड का एहसास किया गया। सुरत मौसम विभाग सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को शहर का अधिकतम तापमान 32.7 डीग्री तथा न्यूनतम तापमान 16.2 डीग्री रहा। हवा में नमी की मात्रा 71 प्रतिशत तथा हवा का दबाव 1015.5 मिलीबार दर्ज किया गया। शहर में सुबह से ही उत्तर दिशा की तरफ से 2 किमी प्रति किमी की गति से हवाए चली। रविवार की तुलना में सोमवार के तापमान में थोड़ी बढोतरी देखने को मिली नवासारी मौसम विभाग के तापमान में कोई अतंर देखने को नहीं मिला। वलसाड मौसम विभाग के अनुसार वलसाड का न्यूनतम तापमान 11.6 डीग्री दर्ज किया गया। दक्षिण गुजारत में सोमवार को वलसाड़ का तापमान सबसे कम रहा।

बारडोली में फर्जी डिप्टीकलेक्टर ने 32 लाख की ठगी की

मकान मालिक से किराएदार ने फाइल पास कराने के लिए मांगे थे रुपये

सूरत। वडोदरा शहरी विकास सत्तामंडल में नायब कलेक्टर की पहचान बताकर मत्स्य उद्योग की फाईल मंजूर कराने के बहाने 32.40 लाख की ठगी करने वाली चीटर नेहाबेन धर्मेशभाई पटेल की अडाजन पुलिस ने धरपकड़ की है। नायब कलेक्टर के स्वांग में इस महिला ने कई लोगों के साथ धोखाधड़ी की है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी महिला ने फरीयादी से 4.32 लाख रुपये भाड़ा तक नहीं चुकाया है। अडाजन पुलिस से मिली जानकारी अनुसार पालनपोर पाटिया सीमानगर सोसायटी में रहने वाले संजयकुमार जयराम भाई मोरकरे ने आरोपी नेहाबेन धर्मेशभाई पटेल के विरुद्ध शिकायत दर्ज करया है। शिकायत में यह कहा गया है कि फरीयादी ने अपना मकान आरोपी को भाड़े पर दिया था इस दौरान आरोपी ने बताया कि वडोदरा में वह नायब कलेक्टर के पद पर तैनात है। यदि वह मत्स्य विभाग से अपनी फाईल मंजूर कराना चहता है तो उसे रुपये खर्च करने होंगे। आरोपी ने अपनी पहचान वडोदरा शहरी विकास सत्तामंडल में नायब कलेक्टर का बताकर उससे फाईल मंजूर कराने के 32.40 लाख रुपये ले लिए। उसके बाद वह वहां से मकान खाली कर चली गई। उसने मकान का भाड़ा जो 4.32 लाख भी नहीं चुकानाय। पुलिस ने फरीयादी के तहरीर पर धोखाधड़ी और ठगी का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

सूरत। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर सोमवार को शहर के नानपूरा स्थित कैथोलिक चर्च में नन्हे मुन्ने बच्चों ने सांता का वेष धारणकर नाताल उत्सव मनाया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)